Otto Böhtlingk & Rudolph Roth: Sanskrit-Wörterbuch, Part 1, Petersburg 1855 परि 8,33,19. ब्रुध: स्विदासी३डुपार स्विदासी३त् 10,129,5 (vgl. P. 8,2, am Ende eines adv. comp.: तच्कूरावर्षम् — स्रपतन्मद्रर्थोपरि MBu. 3, 102). पता वया यद्यापरि व्यर्शसमे शर्म यच्कृत 8,47,2. 5,61,12. AV. 8,9,6. 18,3,25. VS. 13,58. 15, 19. 18,44. TS. 5,2,10,4. 5,7,4. उपरीव वै तख-हुईम् Çat. Br. 4,2,4,14. 5,2,1,22. उपिर शयीत 6,2,2,39. 14,3,1,3. उ-परि स्वास्यति MBH. 1, 1511. येषां नापरि नाधश्च न तिर्यक्सज्जते गतिः R. 5,53,20. उपारिया nach oben gehen Pankar. II,74. उपारि im Gegens. zu तल Mrkkh. 51, 18. उपरि — तिर्यक् Bhartr. 1, 43. — Kathas. 12, 153. 174. 182. मञ्जवायाम् — उपरिन्यस्तदीपायाम् 15,38.48. उपरिस्थित 24,219. VID. 283. उपिरिय MBH. 1,2347. P. 6,2,188. उपिरियत AK. 2,2,13. उपरिस्यापन das Darauflegen P.3,3,80, Sch. उपर्याकाशम् MBH.1,8320. नयनमूर्पारस्पन्दि Megu. 93. स्वमुद्रापिरिचिङ्गित mit seinem Siegel oben gesiegelt Jićk. 1,318. wiederholt: उपर्यूपर्येव प्रान्तणीष् धार्यमाणाम् Ç 环 BR. 1,2,5,20. 3,9,2,9. 14,8,15,4. KHAND. Up. 8,3,2. KATJ. ÇR. 2,7,29. 8,9,10. म्रघे। ४धः पश्यतः कस्य मिक्सा नापचीयते । उपर्यपारे पश्यतः सर्व oa द्रिहित्ति ॥ Hir. II,2. उपर्यपिशिविद्यमानानाम् stets höher und höher VEDÂNTAS. in BENF. Chr. 209, 2. - b) überdies, dazu, ferner (vgl. 2,b): सक्साएयेकविंशातः॥ शतान्यपरि चैवाष्टे। तथा भूषश्च सप्तातः। MBn. 1, 294. — c) nachher: तस्योपरि वन्य: ÇAT. BR. 6,2,2,39. 8,1,4,10. 2,4, 20. 3,4,15. 4,4,12. निरन्ना निश्चित्तत्मिः पीत्नापरि पपः पित्रेत् Suça. 2, 364, 40. Kātu. Çr. 14,1,6.8. यदा पूर्व नामीडपरि च तया नैव भविता Çîntiç. 2, 6. wiederholt: nach einander, Schlag auf Schlag: उपयेपार ह:-ह्म P. 8,1,7, Sch. — 2) praep. a) über, oberhalb, über — hinaus, auf (bei Ruhe und Bewegung): α) mit dem loc.: उपयेव स लङ्कायां क्नूमा-न्माकतात्मजः। संप्राप्ता यत्र स्प्रीवः R. 6,85,3. — β) acc.: भ्वनापरि R.V. 9,54,3. 1,34,8. (श्रवः) विषेष्ठं खामिवापरि 4,31,15. चलारि विपुलान्य-स्या (लङ्कायाः) द्वाराणि मुनकृति च । यस्नाएयुपरि यस्नाणि बलवित र-हानि च ॥ R. 5,72,8. 6,3,26. 82,63. wiederholt: तिमिन्द्रं उपयुप्यत्यं-क्रामत TS. 6,2,4,2. उपर्यूपर्येवातम् ÇAT. Br. 5,1,2,18. 4,1,8. 2,6. सोम बिश्रत उपर्यपिर चरति 3,6,2,20. दिल्ला भ्रवम्पर्यपरि 2,1,29. उपर्यपिर गच्छतः शैलाराजम्दञ्जाः MBH.1,4648. 3,11108. R.3,60,4. 5,13,40. 15, 30. 6,82,48.86. Sidde. K. zu P. 2,3,2. उपर्युपरि ग्रामम् P. 8,1,7,Sch. लो-कानुपर्यपर्यास्ते माधवः Vor. 5,7. — γ) mit dem gen. Vor. 5,23. दिवि स्वेना वंतते भूम्यापरि (für भूम्या उपरि) RV. 10,75,3. द्तिणस्या भ्व उ-परि Катл. Св. 7,3,31. प्रस्योपरि 16,2,19. 18,2,9. उपरि पर्वणाम् Клис. 1. तव तिष्ठेयम्परि MBa.1,1507. चीरं बबन्ध सीतायाः कैशियस्योपरि R. 2,37,14. 4,44,71. 5,7,9. 6,4,15. स तु तस्य — दिन्नणं पाणिम्परि कृत्वा Pańkat. 16,4. 30,20. म्रात्मानं तस्योपरि विस्वा 58,8. 91,4. 115,4. 118, 15. 123, 16. 145, 14. 172, 4. 217, 21. I, 372. Hit. 43, 15. Çâk. 41.78.166. RAGH. 2, 60. MUDRÂR. 120, 14. KATHÂS. 10, 122. 12, 178. VID. 84. 326. ÇUK. 39,5. AK.2,6,2,31. H. 617. ज्ञानस्य स्वप्नकाशत्वमनङ्गीकुर्वताम्परि वेदा-त्तिभिरेव निपातनीया द्राउः Sta. D. 31,13. देशानामुपरि इमाभदात्राणा चिकित्सकाः। र्वाणजे। ग्राक्काणां च मूढानामपि पािएउताः ॥ Раббат. I, 171. देवीनाम्परि (dem Range nach) — कृतवान् KATHIS. 6, 167. म्रह्यो-परि विग्रहं कर्तम् über ihn einen Kampf erheben, mit ihm sich in einen Kampf einlassen Pankar. 78, 20. wiederholt: उपर्वपरि सर्वेषामादित्य इव तहासा N. 1, 2. MBn. 3, 11541. 13861. R. 3, 36, 22. — δ) am Anf. eines adv. comp.: उपिम्मि über dem Boden Çat. Br. 3,6,1,18. उपि-नामि über dem Nabel 6,4,3,10. 7,1,8. Katj. Ça. 7,3,1. 16,3,9. — ε)

12106. पपात — वज्रस्तक्रवरापरि R. 3,35,92. 6,28,29. Вилктя. 1,92. वल्मीकापरि (so zu trennen) कतम्धा Pankar. 184, 10. 198, 10. 11. 242, 6. 263, 8. VIKR. 153. KAURAP. 17. VET. 10, 18. KATHAS. 5, 20. 7, 61. 15, 49. सर्वापरिवर्तिन् 18,5. शिशिपोपरि स्थिता (so ist wohl zu lesen) बलाकाम् Çuk. 41, 1. तद्वपरि गत्नम् über ihn herfallen, sich mit ihm in einen Kampf einlassen Pankar. 173,9. - b) auf d. i. im Anschluss an (vgl. 1,b), mit dem gen.: परायस्यायार संस्थाप्य व्ययं परायसमृद्भवम् auf die Waare die Kosten hinzurechnend, welche sie verursacht hat, Jagn. 2, 253. — c) nach, mit dem abl.: म्हर्ताडुपर्याध्यायश्चेत्रच्छेत् P. 3, 3, 9, Sch. mit dem gen.: उपरि भृतास्य Suga. 2,321,18. am Ende eines adv. comp.: भक्तापरि 364,9. कायितवेलापार नागत: Çuk.44,16. — d) in Bezug auf, in Betreff; mit dem gen.: म्रहा ममापरि विधे: संरम्भा दारुणा मङ्गान् N. (Bopp) 13,31. पदेते साधुनामुपरि विमुखा भवति Çântiç. 3,23. किं तव ममेषिरि चित्रया Pan-क्षेत्रर. ९४, १२. तेन मया तस्यापिर वधापाय एव विरंचितः ८६, १८. मम तस्या-पि चित्तवृत्तिर्न विकृतिं याति ५७,२५. मार. ७३,४६. ७५,४४. म्रयं तावत्संजी-वकस्तेत्रापरि न सर्शव्यवद्गरः ६९,४. प्त्रस्योपरि (über den Sohn) क्रुद्धः 66, 17. Рамкат. 56, 2. 72, 22. 73, 15. 162, 25. पूष्मत्पदानाम्परि द्राकृत्रिः **७७७,२१** मने।परि दुष्टवृद्धिः २२,११ विरक्तिः संज्ञाता मे सं।प्रतमस्य देशस्या-परि 114,2. ममापरि यतस्वामिनावज्ञा क्रियते 18,17. ममापरि प्रसादयित-ट्यः 163,8. 112,19. (प्रेम) तथाः परस्परस्यापरि पर्यचीयत RAGH. 3,24. म्र-न्यया तवार्पार (über dich, deinetwegen) प्रापायवेशनं कारिष्यामि Pankar. 214, 6. 207, 6. wiederholt: कापाइपर्यपरि वानरस्य 259, 7. — Vgl. उप-

उपारिचर (उ॰+चर) m. (in der Luft wandelnd) Bein. des Königs Vasu МВн. 1, 52. 2334. fgg. 2, 331. 12, 12712. fgg. VP. 455.

उपरित्र (उ°+ज्ञ) adj. hervorwachsend, herausragend: दल Suça. 2, 127, 13.

उपरितन (von उपरि) adj. der obere (Gegens. मधस्तन): श्राष्ट्र Мангон.

उपरिप्रुत् (3° + प्रुत् von प्रु = म्रु) adj. von oben herkommend: भुङ्गेर्न VS. 7, 3.

उप√्रिवधव (उ॰+ब॰) m. N. pr. eines Lehrers in Ritualsachen K∧uç. 9.80.

उपैरिवास (उ॰ + वृ॰) adj. über den Boden emporragend RV. 10,73,8. उपरिभाव (उ॰+भाव) m. das Darübersein, Höhersein Nir. 1, 3.

उपॅरिमर्त्य (उ॰+म॰) adj. über die Sterblichen sich erhebend: म्रवीदेव-मुपर्रिमत्ये कृषि वसी विविद्धषा वर्चः R.V. 8,19,12.

उपिमिलल (von उ॰ + मेलला) m. N. pr. eines Mannes gana पस्का-दि zu P. 2, 4, 63.

उपरिशयन (उ॰ + श॰) n. Lagerstatt: यईपरिशयनमार्क्स सि AV. 9, 6, 9. उपिश्विशिषक (von उ॰ + श्रीण) adj. in der oberen Reihe stehend: रा-जदन्ता म. ५८४.

उपरिष्टाङ्योतिष्मती f. N. eines Veda-Metrums (4 × 8 + 11 oder 12 Silben), das am Ende (341) Eld) mit dem Ansang von Gjotishmati zusammenfällt, Colebr. Misc. II, 153 (VI). उपरिष्ठाङयोतिस् Khandas in Verz. d. B. H. 100, 14.

उपरिशत (von उपरि) P. 5,2,31. Vop. 7,110. H. 1526. 1) adv. a) oben,